

पाठ—7 पापा खो गए लेखक विजय तेंदुलकर

समुद्र के किनारे एक बिजली का खंभा और पेड़ आपस में बातचीत कर रहे हैं।

एक तूफानी रात में खंभा पेड़ से जा टकराया और पेड़ ने उसे सहारा दिया और दोनों में दोस्ती हो गई।

दूसरी ओर पढ़ा-लिखा और हंसमुख लैटरबक्स था।

लैटरबक्स दिन में लोगों की चिट्ठियाँ पढ़ता था और रात को भजन गुनगुनाता था।

अपनी नींद में बाधा देखकर कौआ बार—बार लैटरबक्स को चुप करवाता है।

एक चोर के द्वारा पेड़ की ओट में लड़की को डाल जाता है।

कौआ लड़की के उठने के डर से लैटरबक्स को चुप कराता है।

लड़की उठकर घबराकर एक कोने में सिकुड़ कर बैठ जाती है।

अंततः लाल तारु कहता है कि किसी को इस बच्ची के पिता मिल जाएँ तो यहाँ ले आइएगा।

खंभा,पेड़ और लैटरबक्स उस दुष्ट व्यक्ति के आने से पहले ही उस लड़की को उसके घर पहुँचाने का इंतजाम करते हैं।

एक योजना बनाकर पुलिस को बुलाते हैं और उस लड़की को उसके घर पहुँचाने का काम करते हैं।